वृक्ष सुरक्षा दिवस

(02 अगस्त 2012)

वृक्ष सुरक्षा दिवस (02 अगस्त 2012)

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी '' रक्षा बंधन '' के पावन अवसर पर श्री नीतीश कुमार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री सुशील कुमार मोदी, माननीय उपमुख्यमंत्री, बिहार –सह–मंत्री पर्यावरण एवं वन विभाग एवं अन्य माननीय मंत्रीगण तथा गणमान्य लोगों द्वारा राजधानी वाटिका (इको पार्क), पटना में स्थित वृक्षों पर रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण सुरक्षा निमित ''वृक्ष सुरक्षा दिवस '' समारोह बड़ी धूम–धाम से मनाया गया एवं देश–दुनिया के सामने एक उदाहरण पेश किया गया। '' वृक्ष सुरक्षा दिवस'' समारोह का आयोजन बिहार में वर्ष 2011 में रक्षाबंधन के दिन शुरू किया गया है।

रक्षाबंधन के दिन '' वृक्ष सुरक्षा दिवस'' मानने का मुख्य उद्देश्य यह है कि जिस प्रकार रक्षाबंधन के पर्व में भाई–बहनों की सुरक्षा का संकल्प लेते है इसी परिपेक्ष्य में आस–पास के वृक्षों को रक्षासूत्र बॉध कर इनकी सुरक्षा का संकल्प लेने संबंधी कार्यक्रम को व्यापक प्रचार–प्रसार के साथ आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण को जन अभियान में बदलने हेतु राज्य के सभी नागरिक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें, जिससे वृक्षों एवं पर्यावरण की भी रक्षा की जा सके।

इस समारोह का आयोजन पटना में अलावे राज्य के सभी वन प्रमंडलीय मुख्यालय एवं अन्य स्थलों पर किया गया जिसमें भारी तादा्द में लोगों ने वृक्षों पर रक्षा सूत्र बॉधकर पर्यावरण एवं वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

'' आया रक्षाबंधन का पावन त्योहार
बनायें वृक्षों को जीवन आधार''
'' वृक्ष सुरक्षा, सबकी रक्षा''

- **कलाकृतियों का लाकार्पणः–**

बिहार के शताब्दी वर्ष में निर्मित प्रमुख चार कलाकृतियों को राजधानी वाटिका में लगाया गया है। इनके कलाकारों एवं उनके द्वारा निर्मित कलाकृति निम्नवत् हैः–

1. श्री सुबोध गुप्ता – स्टील के बर्तनों से निर्मित कैकटस
2. श्री संजीव सिंहा – नालन्दा खंडहर
3. श्री रजत घोष – राजा शैलेश की मूर्ति
4. सुश्री डियान हेगेल – डिजायर ऑफ कॉर्नर

ये सभी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकार है और इनमें से तीन बिहार राज्य के ही है जबकि एक डियान हेगेल नीदरलैंड की रहने वाली है। इस अवसर पर इन कलाकृतियों को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य को लोकार्पित किया गया।

अरण्य भवन का शिलान्यासः

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा, पर्यावरण विभाग द्वारा निर्मित किये जाने वाले, ''**अरण्य भवन**'' का शिलान्यास किया गया। इस भवन में, पटना स्थित सभी वन विभागीय कार्यालय एक स्थान पर रहेंगे। इस भवन में आधुनिकतम तकनीक काप्रयोग किया जाएगा, जो ळतममद ठनपसकपदह के सभी मानको को पूरा करेगी। भवन की छत पर तथा पश्चिमी दिवार पर सोलर पैनल होंगे, जिनसे भवन में म्उमतहमदबल स्पहीज की व्यवस्था होगी। भवन कुल प्राक्कलित राशि रू० 14.97 करोड़ है तथा इसमें भूतल के

अतिरिक्त पाँच तल होंगे तथा चंतापदह के लिए बेसमेन्ट में व्यवस्था की गयी है।

,,,,,